Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination - 2020

HMJ/1

Marking Scheme – ECONOMICS
SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/4/2

General Instructions: -

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.

प्रश्न	अपेक्षित उत्तर **खण्ड -क (समष्टि अर्थशास्त्र)**	अंक
1	**प्रश्न** : उल्लेख करे कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है : **'अप्रत्याशित अप्रचलन मूल्यह्रास का एक घटक है।'** **उत्तर:** असत्य	1
2	**प्रश्न** : मुद्रा पूर्ति के दो घटक _______तथा _______हैं। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।) **उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- 1) जनता के पास करेंसी। 2) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए। **अथवा** **प्रश्न:** मौद्रिक नीति का मुख्य उद्देश्य-----------------------है। (सही विकल्प का चयन करें।) (क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना । (ख) देश में रोजगार सृजन करना । (ग) व्यापार अधिशेष में वृद्धि करना। (घ) अधिक कर राजस्व अर्जित करना । **उत्तर** : (क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना।	½+ ½ 1
3	प्रश्न: यदि आय में₹ 50,000 से₹ 60,000 की वृद्धि के फलस्वरूप उपभोग में ₹ 40,000 से ₹ 48,000 की वृद्धि होती है । इस स्थिति में, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का मूल्य क्या होगा ? (सही विकल्प का चयन करें।) (क) 0.80 (ख) 0.20 (ग) 0.10 (घ) 0.90 उत्तर (क) 0.80	1
4	**प्रश्न:** वाणिज्य बैंकों द्वारा दिए गए ऋण, अर्थव्यवस्था में मुद्रा पूर्ति में _______ (वृद्धि/कमी) करते हैं। **उत्तर:** वृद्धि	1
5	**प्रश्न:** एक विद्यार्थी, रोहिणी के बटुए में रखा ₹2,000 का नोट _______ (स्टॉक/प्रवाह) चर का उदाहरण है। **उत्तर:** स्टॉक	1
6	**प्रश्न:** उल्लेख करें कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है : **'सरकार द्वारा लागू की गई उज्ज्वला योजना पर किया गया व्यय, पूँजीगत व्यय का एक उदाहरण हैं।** **उत्तर:** असत्य	1
7	**प्रश्न:** साधन भुगतानों का योग --------------------------------के बराबर होता है। (सही विकल्प का चयन करें।) (क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय (ग) प्रति-व्यक्ति वास्तविक आय (घ) प्रति-व्यक्ति मौद्रिक आय **उत्तर** : (क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय **(**दोनों में से किसी भी विकल्प के लिए अंक दिए जायँ **)**	1
8	**प्रश्न:** माल-सूची (स्टॉक) को परिभाषित करें । **उत्तर:** माल-सूची - अबिक्रीत वस्तुएं, बिना प्रयोग हुआ कच्चा माल, या अर्धनिर्मित वस्तुएं जिन्हें कोई फर्म एक वर्ष से अगले वर्ष तक रखती है, माल सूची कहलाती हैं।	1
9	**प्रश्न:** सरकारी बजट में 'ऋण सृजित पूँजीगत प्राप्तियों' का कोई एक उदाहरण दें। **उत्तर** :उधार	1
10	**प्रश्न:** मध्यवर्ती उपभोग को परिभाषित करें। **उत्तर:** उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उपभोग की गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य मध्यवर्ती उपभोग कहलाता है।	1

11	**प्रश्न:** "पानी को प्रदूषित करने वाली एक तेल रिफाइनरी के प्रबंधन का कहना है कि, यह (रिफाइनरी) सकल घरेलू उत्पाद में योगदान से कल्याण सुनिश्चित करती है ।" प्रबंधन के तर्क का कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें। GDP के अर्थव्यवस्था के कल्याण सूचक के संदर्भ में, प्रबंधन के तर्क का समर्थन अथवा खंडन करे। **उत्तर:** नही दिया गया कथन सत्य नही है। तेल रिफाइनरी सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देने के साथ साथ, आस-पास के जल स्रोतों को प्रदूषित कर सकती है। रिफाइनरी को, जल-जीवन तथा लोगों को हानि पहुचाने जैसे अहितकारी प्रभाव के लिए दण्डित भी नही किया जा रहा है। इस प्रकार ऐसी नकारात्मक बाह्यताओ के कारण सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के द्वारा अर्थव्यवस्था का कल्याण सुनिश्चित नही है। **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	3
12	**प्रश्न** : निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि (NVA_{FC})की गणना करें : **क्र.सं** | **विवरण** | **राशि (₹ करोड़ में)** (i) | उत्पादन का मूल्य | 800 (ii) | मध्यवर्ती उपभोग | 200 (iii) | अप्रत्यक्ष कर | 30 (iv) | मूल्यह्रास | 20 (v) | उपदान | 50 (vi) | मशीन का क्रय | 50 **उत्तर:** NVA_{FC} = (i) – (ii) – (iv) – [(iii) – (v)] = 800 – 200 – 20- [30 – 50] = ₹ 600 करोड़ **अथवा** **प्रश्न:** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटकों का उल्लेख करें । **उत्तर** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटक हैं: i. किराया/ रायल्टी ii. ब्याज iii. लाभ	1 ½ 1 ½ 1 x 3 = 3
13	**प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक के 'सरकार के बैंकर, ऐजेंट तथा सलाहकार' के कार्य की व्याख्या करें। **उत्तर:** सरकार के बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार की प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उसकी ओर भुगतान करता है। यह सरकार को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक एजेंट तथा सलाहकार के रूप में सरकार के लिए सार्वजनिक ऋण का प्रबंध करता है तथा आर्थिक मामलों में सरकार को सलाह भी देता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **अथवा** **प्रश्न:** समझाएँ कि, केन्द्रीय बैंक किस प्रकार 'बैंक दर' द्वारा मुद्रा पूर्ति में स्थिरता लाता है । **उत्तर:** बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। बैंक दर में वृद्धि, व्यवसायिक बैंकों पर उनकी ब्याज दरों में वृद्धि के लिए दबाव बनाती है। यह सामान्य जनता के लिए ऋण/उधार को महंगा करता है। जो जनता को ऋण लेने के लिए हतोत्साहित करता है। जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति	4

	बाधित होती है अथवा विलोम सत्य। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**	4
14	**प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करें । विवेचना करें, यदि प्रत्याशित समग्र माँग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है, तो किस प्रकार प्रभावी माँग को बहाल किया जा सकता है। **उत्तर:** प्रभावी मांग रोजगार के उस स्तर से संबंधित है जहां समग्र मांग(AD), समग्र पूर्ति (AS) के बराबर होती है। यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो, इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः, उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), अप्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए।	1 3
15	**प्रश्न**: सरकारी बजट में '**संसाधनों के आवंटन**' के उद्देश्य की व्याख्या करें । **उत्तर: संसाधनों का आवंटन -** सरकार, समाज के सभी वर्गों में संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु संसाधनों का आवंटन करती है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को कर नीति के द्वारा हतोत्साहित किया जाता है। इसी प्रकार समाज के लिए लाभदायक वस्तुओं के उत्पादन को आर्थिक सहायता द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। यदि निजी क्षेत्र इन विशेष क्रियाकलापों (सार्वजनिक वस्तुएं) में पहल नहीं करते हैं तो सरकार उन्हें सीधे नियंत्रित कर सकती है, जैसे जल-आपूर्ति तथा सफाई व्यवस्था आदि। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**	4
16	**प्रश्न:** उचित तर्क सहित बताएँ, कि निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सत्य अथवा असत्य है : (i) एक अर्थव्यवस्था के लिए व्यापार घाटा सदैव बड़ी चिन्ता का विषय होता है। (ii) मुद्रा के मूल्यह्रास तथा मुद्रा-अवमूल्यन का निर्यात पर एक समान प्रभाव पड़ता है। (iii) '**भारतीयों द्वारा विदेशी सम्पत्तियों में निवेश**' भुगतान संतुलन के पूँजी खाते के नामे (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाता है। **उत्तर**: (i) **असत्य**, व्यापार घाटा कम चिंताजनक होता है यदि यह ऐसे निवेश में वृद्धि दर्शाता है, जो की पूंजी के स्टॉक में वृद्धि करता है तथा जिससे भविष्य में उत्पादन की वृद्धि होती है। (ii) **सत्य,** मूल्यह्रास तथा अवमूल्यन दोनों किसी अर्थव्यवस्था के निर्यात पर समान प्रभाव डालते हैं। यह दोनों शब्द यद्यपि पर्यायवाची हैं परंतु भिन्न संदर्भों में प्रयोग किए जाते हैं। अवमूल्यन को स्थिर विनिमय प्रणाली में प्रयोग किया जाता है, जबकि मूल्यह्रास को नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत प्रयोग किया जाता है। (iii) **सत्य,** भारतीयों द्वारा विदेशी संपत्तियों में निवेश के कारण विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन होता है। अतः यह भुगतान संतुलन के पूंजी खाते के नामें (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाएगा। **अथवा** **प्रश्न**: **(क)** समझाएँ कि, घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का राष्ट्र में आयात पर क्या संभावित प्रभाव पड़ता है। **उत्तर: (क)** घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का अर्थ विदेशी मुद्रा ($) के संदर्भ में घरेलू मुद्रा (₹) के मूल्य में कमी से है। इसके परिणाम स्वरूप, विदेशी वस्तुएं घरेलू मुद्रा के संदर्भ में महंगी हो सकती हैं। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में आयात कम हो सकता है। **प्रश्न**: **(ख)** चालू व्यापार घाटा (CAD) तथा चालू व्यापार अधिशेष (CAS) में अंतर स्पष्ट करें। **उत्तर: (ख)** चालू व्यापार घाटा उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती हैं। जबकि चालू व्यापार अधिशेष उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियां ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से अधिक होती हैं।	2 2 2 3 1 ½

		1 ½

17 **प्रश्न:** (क) निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर बताएं कि क्या अर्थव्यवस्था संतुलन में हैं या नहीं :

क्र.सं.	विवरण	राशि
(i)	स्वायत्त उपभोग तथा निवेश व्यय ($\bar{A}$)	₹ 200 करोड़
(ii)	सीमात उपभोग प्रवृत्ति (MPC)	0.70
(iii)	राष्ट्रीय आय	₹ 1,000 करोड़

उत्तर:

AD = $\bar{A}$ + MPC (Y) 1

= 200 + 0.7 (1000) ½

= 200+ 700 = ₹ 900 करोड़ ½

AD < AS, ½

अतः अर्थव्यवस्था संतुलन में नही है। ½

प्रश्न (ख) दिए गए चित्र के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

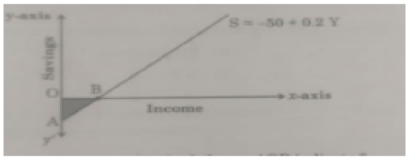

(i) आय के किस स्तर पर औसत उपभोग प्रवृत्ति, इकाई के बराबर होगी और क्यों ?

(ii) बिन्दु B के ऊपर बचत वक्र का क्या महत्त्व है ?

उत्तर: (ख) (i) बिंदु B (समस्तर बिंदु) पर। यहां उपभोग(C), राष्ट्रीय आय(Y) के बराबर है इसलिये APC = 1

(ii) बिंदु B के ऊपर बचत वक्र दर्शाता है कि यहां उपभोग, आय से कम है। जैसे जैसे आय बढ़ती है तो अर्थव्यवस्था अपनी अतिरिक्त आय का उपयोग अपनी बचत तथा उपभोग दोनो को बढ़ाने में करती है। 1 ½

केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए : 1 ½

प्रश्न: (ख) (i) स्वायत्त उपभोग को परिभाषित करें।

(ii) अव्बचत का क्या महत्त्व है ?

उत्तर: (i) शून्य आय के स्तर पर किया गया कुल उपभोग स्वायत्त उपभोग कहलाता है।

(ii) अव्बचत तब होती है जब अर्थव्यवस्था में उपभोग(C), आय(Y) से अधिक होता है। इसका महत्व यह है कि इस स्थिति में जीवन के लिए आवश्यक आधारभूत आवश्यकताएं (उपभोग) पूर्व बचतों और उधारियों को खर्च करके पूरी की जा रही हैं।

1

2

खण्ड - ख (भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास)

18 **प्रश्न**: निम्नलिखित में से किस देश ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए 'एक संतान नीति' अपनाई थी ? (सही विकल्प का चयन करें।)

(क) भारत (ख) चीन (ग) पाकिस्तान (घ) रूस

उत्तर: (ख) चीन 1

19 **प्रश्न:** ________________के परवर्ती विश्व व्यापार संगठन (WTO) का गठन 1995 में किया गया था।

उत्तर: टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) 1

20	**प्रश्न:** मिश्रित अर्थव्यवस्था को परिभाषित करें। **उत्तर:** मिश्रित अर्थव्यवस्था में बाजार व्यवस्था उन सभी वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करता है, जिन्हें वह अच्छे से उत्पादित कर सकता है। और सरकार उन अनिवार्य वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करती है जिन्हें प्रदान करने में बाजार असफल रहते हैं। **(अन्य कोई प्रमाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाय)**	1
21	**प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में _______नीति का अनुगमन किया गया था. जिसका उद्देश्य आयात के बदले घरेलू उत्पादन द्वारा पूर्ति करना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।) **उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन	1
22	**प्रश्न:** विगत् कुछ दशकों में, भारत में _______ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र ने रोज़गार के सर्वाधिक अवसर पैदा किए हैं। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।) **उत्तर** : तृतीयक	1
23	**प्रश्न:** चीन में 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' (GLF) का मुख्य उद्देश्य------------------में तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना था। (क) कृषि (ख) उद्योगों (ग) सेवाओं (घ) आयात **उत्तर:** (ख) उद्योगों	1
24	**प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या जैविक कृषि का एक लाभ नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें।) (क) सस्ते आगत (ख) आकर्षक निवेश के प्रतिफल (ग) आयात की अधिक संभावनाएँ (घ) उच्च पोषण मान **उत्तर** : (ग) आयात की अधिक संभावनाएं	1
25	**प्रश्न:** प्रच्छन्न बेरोजगारी को परिभाषित करें। **उत्तर:** प्रच्छन्न बेरोजगारी वह स्थिति है, जिसमें किसी कार्य में जितने व्यक्तियों की वास्तव में (इष्टम) आवश्यकता है, उससे अधिक व्यक्ति कार्यरत रहते हैं।	1
26	**प्रश्न:** चीन में आर्थिक सुधार वर्ष_______________में लागू किए गए थे। (सही विकल्प का चयन करें ।) (क) 1978 (ख) 1980 (ग) 1988 (घ) 1991 उत्तर: (क) 1978	1
27	**प्रश्न:** उल्लेख करें कि, निम्नलिखित कथन सत्य अथवा असत्य है : "विश्व बैंक को पंजीकरण तथा परिसीमन के अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के नाम से भी जाना जाता है। **उत्तर** असत्य **अथवा** **प्रश्न:** विपणित अधिशेष को परिभाषित करें। **उत्तर:** कृषि उत्पाद का वह अंश जो किसानों द्वारा बाजार में बेचा जाता है, विपणित अधिशेष कहलाता है।	1 1
28	**प्रश्न** : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें : <table><tr><td>राष्ट्र</td><td>जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)</td><td>लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)</td></tr><tr><td>भारत</td><td>1.2%</td><td>929</td></tr><tr><td>चीन</td><td>0.5%</td><td>941</td></tr></table>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015. **उत्तर:** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है। (ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा	2 1

	पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है।	
29	**प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक पहुँच जाती है ।" दिए गए कथन का तर्क सहित समर्थन अथवा खंडन करें। **उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि - (i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई। (ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की थी। (iii) आर्थिक सुधारों के लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया। **(किसी अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** **अथवा** **प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत है ? अपने उत्तर का उचित तर्क सहित समर्थन करें । **उत्तर:** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीक को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यत: नई तकनीक तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	1 1 1 3
30	**प्रश्न** 30. विभेद करें: (i) प्रशुल्क और अप्रशुल्क अवरोधक (ii) द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय व्यापार **उत्तर** (i) वह अवरोध जो वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि उन्हें अपेक्षाकृत महंगा बनाया जा सके प्रशुल्क अवरोध कहलाता है। यह घरेलू उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से बचाने के लिए लगाया जाता है। उदाहरण आयात शुल्क। **जबकि,** अप्रशुल्क अवरोध वह अवरोध हैं जो वस्तुओं और सेवाओं के आयात तथा निर्यात की मात्रा पर लगाया जाता है उदाहरण कोटा और लाइसेंस । (ii) दो देशों के बीच होने वाले व्यापार को द्विपक्षीय व्यापार कहलाता है। **जबकि,** दो से अधिक देशो के बीच होने वाले व्यापार को बहुपक्षीय व्यापार कहलाता है।	1 1 1 1
31	**प्रश्न** (क) भारत सरकार की AYUSH (आयुश) योजना के अंतर्गत आने वाली छ: भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के नाम का उल्लेख करें। **उत्तर** (क) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत निम्न चिकित्सा प्रणालियों को सम्मिलित किया जाता है- 1.आयुर्वेद 2.योग 3.यूनानी 4.सिद्ध 5.प्राकृतिक चिकित्सा और 6.होम्योपैथी **प्रश्न** (ख) ऊर्जा के किन्हीं दो गैर-पारंपरिक स्रोतों के नाम लिखें। **उत्तर** (ख) ऊर्जा के दो गैर पारंपरिक स्रोत है : सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा **(या अन्य कोई ऊर्जा का उपयुक्त स्रोत)**	½ x 6 = 3 ½ + ½
32	**प्रश्न:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें। **उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं: (i) **कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था। (ii) **क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र	2

	पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)** **अथवा** **प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आत्मनिर्भरता' के चयन के औचित्य का संक्षेप में विवेचन करें। **उत्तर:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में आत्मनिर्भरता के चयन के मुख्य औचित्य थे- (i) **<u>विदेशो पर निर्भरता में कमी-</u>** योजना उद्देश्य में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण था। स्वतंत्रता के पश्चात पंचवर्षीय योजना के आरम्भिक वर्षो में विदेशो पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया। (ii) **<u>विदेशी हस्तक्षेप को रोकना-</u>** स्वतंत्रता के पश्चात यह डर था कि आयातित खाद्य सामग्री, विदेशी तकनीक और विदेशी पूंजी पर निर्भरता, हमारे देश की नीतियों में विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ा सकती है।	2 2 2
33	**प्रश्न** : (क) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात को परिभाषित करें । इसका क्या महत्त्व है ? **उत्तर:** (क) <u>श्रमिक-जनसंख्या अनुपात</u>: श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, कुल श्रमिको का कुल जनसंख्या से अनुपात दर्शाता है। इसे सामान्यतः प्रतिशत में प्रदर्शित किया जाता है। इसे सभी श्रमिकों की संख्या को देश की कुल जनसंख्या से भाग कर उसे 100 से गुणा कर प्राप्त किया जा सकता है। यह अनुपात, जनसंख्या के उस भाग को दर्शाता है जो देश में सक्रिय रूप से वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में योगदान करता है। **प्रश्न: (ख)** दिए गए आंकड़ों के आधार पर भारत में श्रम बल के क्षेत्रकवार वितरण की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करें। **रोजगार प्रारूप में प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रकवार) 1972-2012 (% में)**	2 1

क्षेत्रक	**1972-73**	**1983**	**1993-94**	**1999-2000**	**2011-2012**
प्राथमिक	**74.3**	**68.6**	**64**	**60.4**	**48.9**
द्वितीयक	**10.9**	**11.5**	**16**	**15.8**	**24.3**
सेवाएँ	**14.8**	**16.9**	**20**	**23.8**	**26.8**
कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

	उत्तर (ख) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में श्रमबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)** **अथवा** **प्रश्न** (क): "प्रधानमंत्रीजी ने ग्रामीण क्षेत्र की आय में वृद्धि के लिए गैर-कृषि क्रियाकलापों को बढ़ावा देने का आग्रह किया है।" किस प्रकार गैर-कृषि क्रियाकलाप ग्रामीण क्षेत्र में लोगों की आय में वृद्धि कर सकते हैं ? **उत्तर**(क) गैर कृषि क्रियाकलाप धारणीय आजीविका के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करते हैं। यह क्रियाकलाप उत्पादन तथा बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करके आय के स्तर में वृद्धि करते हैं। भारत में कृषि एक मौसमी व्यवसाय है। गैर मौसम में रोज़गार की तलाश और किसानों की आय को स्थिर रखना कठिन हो जाता है। इसमें भी गैर कृषि क्रियाकलाप सहायक होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने ग्रामीण भारत के किसानों के हित मे उचित आग्रह किया है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **प्रश्न** (ख) "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन उचित तर्क सहित करें। **उत्तर** (ख) इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से कम रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रह है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं,** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)**	3 3 3

34	**प्रश्न: (क)** वर्तमान समय में भारत के समक्ष प्रस्तुत कोई दो पर्यावरण चिंताओं का उल्लेख तथा वर्णन करें । **उत्तर:** भारत के समक्ष दो पर्यावरण चिंताएं हैं: **वायु प्रदूषण-** भारत के शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण व्यापक रूप से फैला हुआ है जिसमें वाहन और उद्योगों का प्रमुख योगदान है। वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं और पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है। **वैश्विक उष्णता-** पृथ्वी और समुंद्र के वातावरण के औसत तापमान में वृद्धि को वैश्विक उष्णता कहते हैं। यह ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि के कारण हैं। **(अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या सहित बिंदु)** **प्रश्न: (ख)** ग्रामीण विकास में साख के महत्त्व पर चर्चा करें । **उत्तर: (ख)** ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समृद्धि, समय-समय पर कृषि और गैर कृषि कार्यों में उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए मुख्य रूप से पूंजी के प्रयोग पर निर्भर करती है। खेतों में बीजारोपण से फसल पकने के बाद आमदनी होने तक की अवधि बहुत लंबी होती है। इसी कारण किसानों को विभिन्न स्रोतों (औपचारिक एवं अनौपचारिक) से अपनी आवश्यकताओं जैसे बीज, उर्वरक आदि तथा पारिवारिक निर्वाह खर्च जैसे शादी, धार्मिक अनुष्ठान आदि के लिए कर्ज लेना पड़ता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	1 ½ 1 ½ 3